नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

सीजेआई का आशा जगाने वाला संदेश

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत का हालिया बयान, 'सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए है' भारतीय न्यायपालिका की मूल आत्मा को फिर से स्थापित करने वाला क्षण है. यह केवल एक औपचारिक वक्तव्य नहीं, बल्कि उस चिंतन का परिणाम है जो न्याय को आम नागरिक की पहुंच तक ले जाने की आवश्यकता पर आधारित है. जब न्यायपालिका का शीर्ष पद यह संदेश देता है कि अदालतों का अस्तित्व जनता की सुविधा, समानता और संरक्षण के लिए है, तो यह लोकतंत्र की बुनियाद को और मजबूत करता है.

देश में लंबित मामलों की संख्या न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती रही है. जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्ट किया है कि मामलों के समयबद्ध निपटारे के लिए एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति और निश्चित समय सीमा उनकी प्राथमिकता रहेगी. यह बयान उन करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों को दिशा देता है जो वर्षों तक फैसलों का इंतजार करते हुए थक जाते हैं. न्याय में देरी न केवल नागरिक अधिकारों को कमजोर करती है, बल्कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठाती है. ऐसे में शीर्ष स्तर पर इस सुधार की स्पष्ट प्रतिबद्धता उम्मीद जगाती है कि आने वाले समय में तेजी और पारदर्शिता न्यायिक प्रणाली का आधार बनेगी.

सुप्रीम कोर्ट की चिंता मुकदमों की लागत और प्रक्रिया से जुड़े तनाव पर भी केंद्रित है. आम आदमी अक्सर कानूनी लड़ाई की जटिलताओं और भारी खर्च के कारण न्यायालयों से दूरी बना लेता है. इसलिए, जस्टिस सूर्यकांत का मध्यस्थता को 'गेम चेंजर' बताना दूरदर्शी कदम है. यह तरीका विवादों को त्वरित, कम खर्चीले और सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने में सक्षम है. यदि इसे बड़े पैमाने पर लागू किया गया तो अदालतों पर दबाव घटेगा और लोगों की न्याय तक पहुंच भी आसान होगी. वर्तमान दौर में अपराध और डिजिटल तकनीक एक-दूसरे से गहरे प्रभावित हो चुके हैं. डिजिटल अरेस्ट से लेकर साइबर ठगी तक, अपराध की प्रकृति लगातार बदल रही है.

जस्टिस सूर्यकांत का यह कहना महत्वपूर्ण है कि न्यायपालिका को इन नई चुनौतियों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा. अदालतों, न्यायाधीशों और तकनीकी संरचना को डिजिटल आधुनिकता के अनुरूप अपग्रेड किए बिना न्यायिक क्षमता मजबूत नहीं हो सकती. यह कदम न केवल अपराध से लड़ने में मदद करेगा बल्कि लोगों को आधुनिक और प्रभावी न्याय प्रणाली उपलब्ध कराएगा.

साथ ही, विविधता पर उनका जोर न्यायपालिका को और अधिक संवेदनशील और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में अहम संदेश देता है. महिलाओं, वंचित समुदायों और हाशिए के समूहों का प्रतिनिधित्व बढ़ने से न्याय के दृष्टिकोण में व्यापकता आएगी. न्यायपालिका समाज का दर्पण तभी बन सकती है जब उसमें समाज के सभी वर्गों की आवाज मौजूद हो.

कुल मिलाकर, जस्टिस सूर्यकांत के विचार न्यायपालिका के भविष्य की दिशा तय करते दिखते हैं. यह साफ है कि वे न्यायपालिका को अधिक पारदर्शी, आधुनिक, समावेशी और जन सुलभ बनाना चाहते हैं. यह दृष्टिकोण न केवल अदालतों की कार्यप्रणाली को बेहतर करेगा बल्कि जनता के भरोसे को भी मजबूत करेगा. सुप्रीम कोर्ट का यह स्पष्ट संदेश कि 'हम आम आदमी के लिए हैं,' लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति—जनता—को न्याय का वास्तविक अधिकार दिलाने की दिशा में सार्थक कदम है.

शादी सीजन | 6 .5 लाख करोड़ के कारोबार का अनुमान

श्याम यादव

> नवंबर-दिसंबर का शादी विवाह का सीज़न देश में व्यापक आर्थिक हलचल पैदा कर रहा है. 46 लाख शादियों का अनुमान, 6 .5 लाख करोड़ रुपए का संभावित कारोबार, एक करोड़ से अधिक रोजगार, बड़ी मात्रा में स्थानीय उत्पादन और बढ़ती खरीदारी. इन सभी के आधार पर यह अवधि खुदरा व्यापार और सेवा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है. मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष शादी-इकॉनमी न केवल बड़ी है, बल्कि व्यवस्थित और विविध रूप में सक्रिय भी है. इससे अगले कुछ महीनों में उपभोक्ता खर्च और बाजार की गति स्थिर रहने की उम्मीद है.

देश में नवंबर से शादी का सीजन शुरू हो गया. इस वर्ष इसका आकार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बड़ा माना जा रहा है. कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के मुताबिक 1 नवंबर से 14 दिसंबर के बीच देश में करीब 46 लाख शादियाँ होने का अनुमान है. इस अवधि में कुल 6.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की संभावना व्यक्त की गई. यह अनुमान सीएआईटी रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा देश के 75 शहरों में 15 से 25 अक्टूबर के बीच किए गए सर्वे पर आधारित है. व्यापारियों के अनुसार इस अवधि में बाजारों में ग्राहक संख्या, सामग्री की आपूर्ति, ऑर्डर बुकिंग और वेन्यू की मांग सभी पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं.

दिल्ली में लगभग 4.8 लाख शादियाँ होने का अनुमान है जिनसे करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हो सकता है. व्यापारिक संगठनों का कहना है कि बड़े शहरों के अलावा अब टियर -2 और टियर -3 शहरों में भी शादी से संबंधित खरीदारी का स्तर बढ़ा है. यह रुझान पिछले दो वर्षों की तुलना में अधिक स्थिर दिखाई दे रहा है. कई शहरों में होटल, बैंक्वेट हॉल और वेडिंग-वेन्यू पहले से ही बुकिंग के चरम पर हैं. सूरत, जयपुर, इंदौर, लखनऊ, चंडीगढ़ और नागपुर जैसे शहरों में सजावट, कैटरिंग और परिधान बाजारों में त्योहारी सीज़न की बिक्री के बाद फिर से वही तेजी देखी जा रही है.

कुल अनुमानित कारोबार में सबसे बड़ा हिस्सा ज्वेलरी का है, जिसका औसत योगदान लगभग 15त्न आंका गया. परिधान और साड़ियों का योगदान करीब 10त्न है. इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की हिस्सेदारी लगभग 5त्न है. मिठाई, ड्राई फ्रूट, किराना और घरेलू सामान पर औसतन 5त्न खर्च दर्ज किया गया. इसके अलावा गिफ्ट आइटम पर लगभग 4त्न और अन्य श्रेणियों पर करीब 6त्न खर्च का अनुमान है. सेवा क्षेत्र में कैटरिंग का योगदान लगभग 10त्न है. जबकि, सजावट और फ्लोरल सेवाओं पर करीब 4त्न खर्च होता है. इवेंट मैनेजमेंट और वेन्यू-संबंधित सेवाओं का औसत हिस्सा 5त्न के आसपास रहता है. फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी सेवाओं में लगभग 2 प्रतिशत तथा लाइट-साउंड, म्यूजिकल ग्रुप और ट्रैवल-हॉस्पिटैलिटी में 3-3 प्रतिशत खर्च होने का अनुमान प्रस्तुत किया गया है.

रिपोर्ट में यह तथ्य भी सामने आया है कि इस वर्ष शादी-संबंधित खरीदारी में घरेलू उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ी है और कुल खरीदारी का 70त्न से अधिक भाग स्वदेशी उत्पादों पर आधारित है. परिधान, आभूषण, साड़ियाँ, सजावटी सामग्री और गिफ्ट आइटम में स्थानीय उत्पादन की मांग स्पष्ट रूप से बढ़ी है. कारीगर-प्रधान उद्योगों, छोटे निर्माताओं और एमएसएमई क्षेत्र को इसका सीधा लाभ मिल रहा है. बनारसी, कांजीवरम, पाटन, कोटा और अन्य परंपरागत वस्त्रों की बिक्री कई शहरों में पिछले साल के मुकाबले ऊँची दर्ज की गई है. राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश के शिल्प उद्योगों में भी शादी-सीज़न के कारण अतिरिक्त उत्पादन देखा जा रहा है.

मध्य प्रदेश में शादियों का कारोबार

मध्य प्रदेश में इस वर्ष शादी-संबंधित व्यापार 40,000 करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है. इंदौर, भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर में वेन्यू, डेकोरेशन और कैटरिंग सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग की संख्या बढ़ने से होटल और रिसॉर्ट उद्योग को सीधा लाभ मिला है. जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और पुष्कर में नवंबर-दिसंबर के लिए बुकिंग लगभग पूर्ण हैं. उत्तर प्रदेश और पंजाब में पारंपरिक सजावट और कैटरिंग सेवाओं की औसत लागत बढ़ी है. महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे और नागपुर में इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में अग्रिम बुकिंग प्राप्त हुई हैं.

व्यापारिक संगठनों के अनुसार इस शादी-सीजन से देश में एक करोड़ से अधिक अस्थायी और अंशकालिक रोजगार उत्पन्न होंगे. इसमें कैटरिंग, सजावट, लाइट-साउंड, फोटोग्राफी, परिवहन, मेकअप, फ्लोरल डिजाइनिंग और सहायक सेवाएँ शामिल हैं. होटल, रेस्टोरेंट और ट्रैवल सेक्टर में भी बड़ी संख्या में मौसमी कर्मचारियों की आवश्यकता पड़ रही है. साथ ही अनुमान है कि इस अवधि में जीएसटी और अन्य करों से सरकार को 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिल सकता है.

आर्थिक संकेतकों के अनुसार उपभोक्ता खर्च में यह वृद्धि पिछले त्योहारी सीज़न की प्रवृत्ति के अनुरूप है. व्यापारियों का मानना है कि इस वर्ष मांग की स्थिति पहले से अधिक स्थिर दिखाई दे रही है और ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत रहा है.

विंध्य की डायरी

खास से आम होने में भी होती है चर्चा

डॉ. रवि तिवारी

सच ही कहा गया है कि आम अगर आम रहेंगे तो उसकी कोई पूछ नही होगी पर कहीं यदि कोई खास आम हो जाए तो उसकी चर्चा भी आम हो जाती है. कुछ ऐसा ही वाक्या सीधी जिले के कलेक्ट्रोरेट में देखने को मिला जब सांसद पुत्र डा. अनूप मिश्रा और पुत्रवधू ने अपने व्यक्तिगत काम के लिए खास होते हुए भी आम होने की कोशिश की पर यहाँ भी उन्हें

आम की तरह मिला सिर्फ आश्वासन. एक बात तो माननी पड़ेगी की प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी फिलहाल आम और खास में कोई भेदभाव नहीं करती है. तारीख पर तारीख का डायलॉग भले पुराना हो गया हो पर तरक्की के इस दौर में अभी भी उसका महत्व बरकरार है. आम आदमी के जीवन का यह भटकाव कब और कैसे खत्म होगा यह यक्षप्रश्न हो गया है . अभी तक लोग बहुत कुछ भगवान के भरोसे छोडक़र बैठ जाते थे. अब उनकी पुकार लगता है इको सिस्टम में आए परिवर्तन के कारण वहाँ तक भी नही पहुँच पा रही हैं. अब देखना यही है कि सांसद पुत्र को मिली तारीख पर सुनवाई होती है या नही, अगर हो गयी तो जनसुनवाई का महत्व भी कई गुना बढ़ जाएगा. अमृतकाल में सुशासन का गुणगान करने वालो को भी यह सोचना होगा कि जब खास की यह हालत है तो आम आदमी की चप्पल कितनी घिस चुकी होगी ?

......फिर स्थगित हुआ मुख्यमंत्री का दौरा

प्रदेश के मुखिया डा. मोहन यादव का सीधी जिले के बहरी दौरा एक बार फिर स्थगित हो गया है. यह बात और है कि व्यवस्था में लाखो रूपये पानी के तरह बहा दिये गये. दो बार मुख्यमंत्री का आगमन स्थगित होने से हुए लाखो के व्यय को लेकर व्यवस्था से जुड़े विभाग के अधिकारियों को खर्च एडजस्टमेंट की बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. देर रात अचानक मुख्यमंत्री कार्यालय से कार्यक्रम स्थगित होने की सूचना दी गई. सवाल यह उठता है कि आखिर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम अचानक दूसरी बार फिर से स्थगित क्यो हो गया? तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे है . बहरहाल कार्यक्रम स्थगित को लेकर विपक्ष भी चुटकी ले रहा है.

मुख्यालय में धूल खा रही सूची

कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने संगठन सृजन अभियान की नई सकारात्मक शुरूआत के साथ मंथन से जिला अध्यक्ष निकले और जिला के साथ शहर की कार्यकारिणी में नए चेहरो को शामिल करने के साथ अध्यक्ष अपने मन पसंद चहेतो को भी कार्यकारिणी में स्थान दिया. इतना ही नही छत्रपो की पसंद न पसंद को भी ध्यान में रखते हुए रीवा कार्यकारिणी की सूची भोपाल में अटकी हुई है. पिछले कई दिनो से मुख्यालय में सूची धूल खा रही है. कई नेताओं को कुछ नामो पर आपत्ति है, फिलहाल सूची में नाम जोडने् काटने का क्रम चल रहा है ताकि गुटबाजी को हवा न मिले. कांग्रेस की गुटबाजी जग जाहिर है, यहां नेता एक दूसरे की टांग खीचने और नीचा दिखाने की परम्परा का बखूबी पालन कर रहे है.

सुमंगल का अमंगल

पर्यावरण की सुरक्षा एवं स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन सुमंगल साइकल दिवस अभियान की पूरे तामझाम के साथ शुरूआत की गई जो अब दिखावे तक सीमित रह गया है. साइकल से कार्यालय पहुंचने का संकल्प अकेले संभागायुक्त निभा रहे है. अन्य विभागो के अधिकारी अब सरकारी वाहनो से ही कार्यालय पहुंच रहे है. संभागायुक्त के आवाहन पर अफसरो ने हर मंगलवार को साइकल से कार्यालय आने का संकल्प लिया था पर अब साइकल अभियान पंक्चर हो चुका है. कुछ अधिकारी फोटो खिचवाने के लिये कार्यालय के पास ई-रिक्शा पर सवार हो जाते थे या फिर पैदल पहुंचते थे. फिलहाल अब यह भी बंद हो चुका है.

पाकिस्तान में आसिम मुनीर की तानाशाही

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के सामने पूरी तरह घुटने टेक चुकी है. वहां की नेशनल असेंबली के दोनों सदनों में 27वां संविधान संशोधन पारित कर मुनीर को संपूर्ण अधिकार सौंप दिए गए. इसके मुताबिक मुनीर आजीवन अपने पद पर बने रहेंगे और उन पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा. इसके साथ ही न्यायपालिका का पुनर्गठन कर उसे और अधिक आज्ञाकारी बनाया गया है. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लगता है कि जेल में कभी भी उनकी हत्या की जा सकती है. पिछले दिनों उनकी मौत की अफवाह ने जोर पकड़ा था. जब उनके समर्थकों ने जेल के बाहर व सड़कों पर प्रदर्शन किया तो इमरान से मिलने के लिए उनकी बहन को अनुमति दी गई. उन्होंने मुलाकात के बाद बताया कि इमरान की हालत ठीक नहीं है. उन्हें एकांत कोठरी में कैद रखा गया है तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है. पाकिस्तान की इस हालत के लिए उसके राजनीतिक नेता ही जिम्मेदार हैं जिनकी कमजोरी का मुनीर ने पूरा फायदा उठाया. खुद ही फील्ड मार्शल का प्रमोशन ले डाला. इसके पहले पाकिस्तान में अयूब खान फील्ड मार्शल बने थे. पाकिस्तान में सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई का हमेशा से वर्चस्व रहा है जो सरकार को अपनी कठपुतली बना कर रखते हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मुनीर को संरक्षण है. मुनीर ने भी शांति के नोबल प्राइज के लिए ट्रंप के नाम का समर्थन किया था. मुनीर खुद को कितना ही ताकतवर मानें लेकिन उनका मुल्क कमजोर है जहां की इकोनॉमी आईएमएफ के कर्ज से चल रही है. विदेशी मुद्रा का भंडार बहुत कम रह गया है. अफगानिस्तान से संबंधों में तनाव चला आ रहा है. पाकिस्तानी फौजी चौकियों पर तहरीक-ए-तालिबान के हमले बढ़ते जा रहे हैं.

बलूचिस्तान में बगावत भड़क रही है. खैबर पख्तूनवा में रहनेवाले पठान नहीं चाहते कि मुनीर और शहबाज शरीफ जैसे पंजाबी उन पर हुकूमत करें. तालिबान ने पाकिस्तान को धमकी दे रखी है कि जब हम अमेरिका से नहीं डरे तो तुम हमारे सामने क्या चीज हो.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

भारत-रूस दोस्ती के अच्छे दिन मोदी से मिलने आए पुतिन

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हिंदी में कहावत है- पूत सपूत तो क्या धन संचय, पूत कपूत तो क्या धन संचस. इसका अर्थ है कि यदि बेटा सपूत है तो अपनी योग्यता व कर्मठता से खुद ही पैसा कमा लेगा. उसके लिए धन क्यों बचाकर रखना? इसके विपरीत यदि बेटा कपूत है. व्यसन और बुरी आदतों से घिरा है तो ऐसे बेटे के लिए भी क्यों पैसा जोड़कर रखना? वह धन को फिजूलखर्ची और अय्याशी में उड़ा डालेगा.'

हमने कहा, 'आप यह पूत-सपूत वाली कहावत क्यों सुना रहे हैं? कहावत तो यह भी है कि पूत के पांव पालने में नजर आते हैं. मतलब यह कि होनहार बच्चे की पहचान बचपन में ही हो जाती है. अभी आप पूत की बजाय पुतिन पर चर्चा कीजिए जो भारत आए हुए हैं. उन्हें रिसीव करने खुद प्रधानमंत्री मोदी पालम एयरपोर्ट गए और उनसे गले मिले. दोनों नेताओं में प्रेम, आत्मीयता और गहरा आपसी विश्वास है. रूस और भारत की बड़ी पुरानी दोस्ती हैं जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है. पं. जवाहरलाल नेहरू

तो 1929 में पहली बार रूस गए थे और तभी से वहां की प्रगति से प्रभावित हुए थे. वहां की 7 वर्षीय विकास योजना उन्हें अच्छी लगी थी. प्रधानमंत्री बनने के बाद नेहरू ने भारत में उसी पैटर्न पर पंचवर्षीय योजना लागू की थी. नेहरू ने अपनी बहन विजयालक्ष्मी पंडित को राजदूत बनाकर मास्को भेजा था. इंदिरा गांधी ने रूस के साथ 20 वर्ष की मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए थे. भारतीय वायुसेना में बड़ी संख्या में रूस निर्मित मिग और सुखोई विमान रहे हैं. ब्रम्होस मिसाइल भी भारत और रूस ने मिलकर बनाया है. रूस के विमानवाही पोत एडमिरल गोर्शकोव को नया रूप देकर भारत के लिए विक्रांत-2 बनाया गया. भारत के आकाश को दुश्मन से सुरक्षित रखने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 भी रूस से हासिल किया गया है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, रूस में पुतिन हैं तो भारत में भी ऐसे ही मिलते-जुलते नाम मिलेंगे. यूपी में बच्चे को प्यार से पुतुआ या पुत्तन कहते हैं. पंजाब में बेटे को पुत्तर कहा जाता है. अमेरिकी टैरिफ के दबाव का मुकाबला मोदी-पुतिन मिल कर करेंगे और मुक्त व्यापार समझौता करेंगे.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12103 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं
1. कश्मीर के एक भू.पू. मुख्यमंत्री 5. नशे में चूर 6. लोम वाला चमड़ा 7. अदब-कायदा, नमस्कार (उर्दू) 8. मृतक के निमित्त किया जाने वाला वार्षिक श्राद्ध 9. द्रव, पतला 10. देना, दान करना (उर्दू) 11. विनय, प्रार्थना 13. विजयी 14. माफी 16. विनयशील, झुका हुआ 17. चंद्रमा, दक्षिण की फिल्मों का एक प्रसिद्ध नायक 18. पवित्र, पावन (उर्दू)

ऊपर से नीचे
1. फागुन में गाया जाने वाला गीत, होली 2. झुका हुआ, घुंघराला (उर्दू) 3. घोड़े रखने का स्थान 4. ईरान की भाषा 6. राजा की आज्ञा, आज्ञा पत्र (उर्दू) 7. अत्याचारी, आतंकी 10. एक तरह का बड़ा सांप, अजदहा 11. धरोहर, थाती (उर्दू) 12. यमनगरी, यम का स्थान 15. दानेदार शक्कर, चीन का निवासी, चीन संबंधी

Solution 12102

अ	खा	द्य	■	मी	ठा	■	ब
द	म	■	या	र	■	फा	या
ब	खा	न	■	जा	दू	ग	र
■	ह	म	स	फ	र	■	■
ब	■	क	र	र	■	म	नु
को	ला	ह	ल	■	लो	हा	■
ट	■	रा	ता	■	बा	रा	त
ना	शि	म	■	अ	न	जा	न

ज्योतिषाचार्य पं. प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी. अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा. वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. आर्थिक लाभ होगा. उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक हो सकते है. आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें. मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों का निर्वहन करना होगा. व्यवसाय में वृद्धि होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन में लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के व्यक्तित्व का विकास होगा. आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, गंभीर, महत्वाकांक्षी, उदार होगा, और परोपकारी होगा, शिक्षा अच्छी रहेगी,कई विषयों का ज्ञाता होगा, इसमें निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता रहेगी. ईश्वर भक्त भी होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2082 पौष कृष्ण चतुर्थी चन्द्रवासरे रात 9/18, पुनर्वसु नक्षत्रे दिन 9/18, ब्रह्म योगे रात 10/45, वव करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार कर्क, पर्व- संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण चतुर्थी को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, मूँगफ्ली, बिनौला, खल में पहली चाल चलेगी, गुड, खांड, शक्कर, सूत, कपास, जूट, पाट, बारदाना, में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 3712 है.

मेष- परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लेना ही हितकर रहेगा, उदारता से काम बनेगा, संतान से संबंधित शुभ सूचना प्राप्त होगी.

वृषभ- दौड़धूप करके आप अपना काम बना लेंगे, अनिर्णय की स्थिति से नुकसान होगा, शुभ सूचना मिलने से हर्ष होगा, मांगलिक कार्यों में व्यय होगा.

मिथुन- विवादास्पद मामले हल होंगे, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, व्यर्थ की चिन्ता एवं तनाव दूर होगा, राजनैतिक कार्य सफ्ल होगा.

कर्क- परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहेंगे, वैचारिक आदान प्रदान से राह आसान होगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखकर कार्य करें.

सिंह- फैसला लेने से पहले वक्त की नजाकत को समझें, किसी आवश्यक कार्य में व्यस्तता रहेगी, कार्यों में विलंब होगा, नया खर्च सामने आयेगा.

कन्या- प्रापर्टी के क्रय विक्रय को लेकर विवाद हो सकता है, जोखिम के कार्यों में परेशानी होगी, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, मांगलिक कार्यों में खर्च होगा.

तुला- विषम परिस्थितियों में दोस्तों का सहयोग संवल देगा, आपका मूड कुछ उखड़ा उखड़ा रहेगा, पारिवारिक आर्थिक चिन्ता रह सकती है, लाभ होगा, पर सामान्य.

वृश्चिक- निजी राय को काम पर हावी न होने दे, झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ जायेंगे, अतिथि आगमन होगा, श्रम साध्य कार्य बनने का योग है.

धनु- विरोधी आपकी कमजोरी भांपकर हावी होने की कोशिश करेंगे, जमकर जायजाद प्रापर्टी के कार्यों में प्रयास सफ्ल रहेगा, परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है.

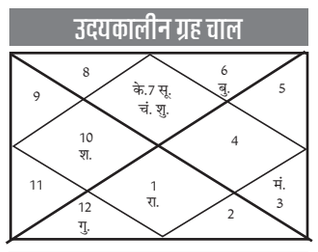

मकर- कारोबारी विस्तार की योजना बनेगी, घरेलू विवाद से दूर रहें, निपट जायेंगे, लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी, दूरदराज की यात्रा संभव है.

कुम्भ- मजबूत इरादों के साथ जिस कार्य में हाथ डालेंगे, सफ्लता अवश्य मिलेगी, मित्रों के सहयोग से आपकी प्रसन्नता रहेगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे.

मीन- थोड़े से बदलाव से बड़ी सफ्लता का योग है, सोच विचार कर आगे बढें, व्यवसाय में परिश्रम की अधिकता रहेगी, सुख सौहार्द्र बना रहेगा.

SUDOKU 7235

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7234

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5